११ आगा पहुंचेकेर लेल निर्भयसे हमर जैने चोये। काहेका तो
हरन्हिके देखैलेल आउर तोहरन्हि कायम होअह् एक
रैलेल कछुया परमार्थकेर सामर्थ तोहरन्हिके देवैलेल अर्थात
तोहरन्हिके आउर हमरा बिश्वाससे तोहरन्हिका साथे
१२ तसल्ली होअैकेर हमरा बडा इछा हय। हे भाइन्हि हम
चाहो नहि का तोहरन्हि अजान रहह् का अैसन आउर
देसिन्हका बीचमे हमरा लाभ हय तैसहि तोहरन्हिका
बीचनैभो का हम कछु लाभ पाइं एकरैलेल तोहरन्हिका
१३ नजीक जाइलेल हम बार२ स्थिर कैलहो परन्तु अखनो लगि
१४ अटकाव भेल। हम ग्रीक आउर मेलछ थिहदुनुकेर आउर
१५ पंडित आउर मुर्खन्हिकेर करजदारहो। एकरलेलहम
अपना मखदूरलग हमो तोहरन्हिका आगाभो मंगल सा
१६ चार खबर करैलेल तैयार हो। हम ख्रीष्टका मंगल समाचा
रका बिषयमे लजाल हो नहि काहेका यिहुदी ग्रीक वगैरह
जतना बिश्वास करनिहार उन्हकन्हिका आगा उअह् उ
१७ द्धारकेर लेल ईश्वरी करामत। काहेका ओकरामे ईश्वर
केर ये धर्म्म बिश्वाससे होहय उअह् धर्म्म बिश्वासकेर लेल
प्रत्यक्ष हय काहेका अैसन् लिखल हय धर्म्मी बिश्वाससे
१८ बचता। काहेका ये अदमी अधर्म्मका बंधनसे सचोटाइके
बांध रखथि उन्हकन्हिकेर सभे बेटहल आउर गरउचित
कामकेर मुद्दथिपनमे ईश्वरकेर गोसा सर्गसे प्रत्यक्ष हय।
१९ काहेका ईश्वरके येर जानल जाय उअह् उन्हकन्हिका बीचमे
प्रतक्ष हथि काहेका ईश्वर उन्हकन्हिके देखौलकैखनह।
२० काहेका ओकर येर बेदेखल अर्थात् ओकर अपार पराक्र
म आउर ईश्वरपन कैल चिजन्हिसे संसारकेर जन्मलाका
बेरिसे अछा तरहसे जानल जाहय ओकरैलेल उन्हकन्हि
२१ का उजुर करैकेर राहि नहि हैखन्। काहेका उन्हक
न्हि ईश्वरके जानकरिकेभो ईश्वरकेर अैसन् ओकर मर्याद

कैलकैखन् नहि आउर स्तुति करनिहारन्हियो नहि भेला
किन्तु अपना रैकालोकोसे व्यर्थ भेला आउर अपन भोरास्
२२ मन अंधार भेल। उन्हकन्हि अपनाके अक्लोलगर मान
२३ करिके बेअकुफ भेला। आउर बिनाशी अदमी आउर
पछी आउर चरगोडा आउर पेटसे चलनिहार जान्
वरन्हकेर मुरतिमे अबिनाशी ईश्वरका तेजकेर बदला कैल
२४ खन्। एकरैलेल उन्हकन्हि अपना मनकेर इछासे ईश्वर
लुचपनामे उन्हकन्हिके छोडदेलकैखन् का उन्हकन्हि अप
२५ नार देहकेर परस्पर बेइजत करथि। का जिन्हकन्हि
ईश्वरका बातकेर सचे टाइका बदलसुरतमे झुठ बात कबूल
कैलखन् आउर जन्मौनिहारकेर भजन आउर टहलसे ब
नावल चोजकेर भजन आउर टहल कैलखन् उअह् जन्मौ
२६ निहार सच्चिदानंद आमिन। ओकरैलेल ईश्वर उन्हकन्हिके
छैंठे प्रेममेभो छोडदेलकैखन् काहेका उन्हकन्हिकेर मेहराह
न्हि सरीरकेर ब्यवहार छोडकरिके बिरुद्ध ब्यवहार कैल
२७ खन्। मर्दन्हि मेहराहन्हिकेर संसर्ग छोडकरिके मर्द मर्द
का साथे बदकाम करैतथि छिनरपनसे जरला आउर अप
२८ नार भ्रमकेर उचित फल पैलखन्। आउर जैसन् उन्हकन्हि
अपना ज्ञानमे ईश्वरका रखैकेर यत्न कैलखन् नहि तैसन्
उन्हकन्हि सगरो बेसाधु आउर छिनरपन् आउर बदखा
हो आउर लालच आउर देषसे पूर्ण होकरिके आउर
बददिमागो आउर खून आउर झगरा आउर दगाबाजी
२९ आउर कूटोलपनसे पूर्ण होकरिके आउर कनफुसी करनि
हारन्हि आउर चुगलखोर आउर ईश्वरके घिनौनिहार
आउर बुराकरनिहार आउर अहंकार करनिहार आउर
खोद परसिन्द आउर बूरा कामकेर जन्मौनिहार आउर
३० महतार महतारिकें नहि माननिहार। आउर बेअकूफ

आउर नियम लांघनिहार आउर शारिरिक प्रेम छोडि आ
३१ उर निर्दय आउर मायारहित होकरिके गरउचित करैलेल
३२ ईश्वर उन्हकन्हिके मुर्खपनामे छोड देलकैखन्। येर
अद्मी यिह् तरहकेर काम करहथि उन्हकन्हि मारैला
यकहथि उन्हकन्हि ईश्वरकेर यिह् तजबीज जानिकरिके
खाली अपनहो यिह् काम ये करहथि से नहि किन्तु यिह्
तरहकेर काम करन्हिहारनिपरे खोश होहथि।

२ दोसरा पर्ब्ब।—एकरैलेल हे तजबीज करनिहार अद्
मी येकेउ हह् तोहरा उजर करैकेर राहि नहि हय का
हेका तोह तजवीजमे दोसराके दोषी करिके उअह् विषय
मे अपनहुके दोषी करहह् काहेका हे तजवीज करनिहा
२ र तोह अपने उहे काम करहह। किन्तु हमरन्हि जानहो
का उअह डोलकेर काम करनिहारन्हिकेर बिरोध ईश्वरकेर
३ बिचार सचौटाइका माफिक् हय। हे अद्मी तोह यिह्तरह्
केर कामकरनिहारन्हिकेर तजवीज करिके जैयो अपने
उहे काम करथि तैयो तोह् का ठहरावहह का ईश्वरका
४ विचारसे तोह बचबह्। ईश्वरकेर छेमा का तोहरा तो
बाह् करैकेर लेल राहि देखावहथि तोह् यिह नहि जानि
करिके ओकर दयातरह् संपत आउर छमातरह् आउर
५ ढेर दिनलगि बरदास्त का तुच्छकरिके जानहह्। किन्तु ई
श्वरकेर गजब आउर हक तजवीज प्रत्यक्ष करैलेल दिनलगि
अपन कठोर आउर तोबाह नहि करनिहार मनकेर ऐ
६ सन् अपना लेल गजबके जमा करहथि। का ये प्रतिअद्मी
७ के उन्हकन्हिका कामकेर फल देतैखन्। ये सहनिहार होक
रिके सदा अच्छा काम कैलासे मोक्ष आउर मर्यादा आउर
अमरपना खोजहथि उन्हकन्हिके अपार आर्ब्बल देतैखन्।
८ परन्तु ये झगराउ आउर सचौटाइ नहि मानैतथि परन्तु

अनोचित काम मानहथि यिहूदी ग्रीक वगैरह् आउर देशि
९ न्ह येतना बदकाम करनिहार उन्हकन्हिके तंबि आउर
१० गजब आउर दुख आउर कष्टतरह् दंड देतैखन्। किन्तु यिहू
दी ग्रीक वगैरह् आउर येतना भला काम करनिहार अद्मी
हथि उन्हकन्हिके मोक्ष आउर मर्याद आउर कुशलतरह्
११ फल देतैखन्। काहेका ईश्वरका आगा पक्षदारी नहि हय।
१२ ये दिन यिशु खीष्टका मारफत ईश्वर हमरा मंगलसमाचार
केर ऐसन् अद्मिन्हकेर झांपल काम तजबीज करतैखन्।
१३ उअह् दिन जिन्हकन्हि बेतौरेत पाप कैलखन्ह उन्हकन्हि
केर बिनाश तौरेत बिना होतैखन् आउर जिन्हकन्हि तौ
रेत पौलें पाप कैलखन्ह उन्हकन्हिकेर तजबीज तौरेतकेर
१४ ऐसन् होतैखन्। काहेका तौरेत सुननिहार ईश्वरका
आगा साधु कैल जाथि नहि परन्तु तौरेतकेर करनिहार
१५ साधु कैल जैता। आउरदेशिन्ह अद्मी का जिन्हकन्हिका
तौरेत नहि हय उन्हकन्हि जब अपना सुभावसे तौरेत
केर काम करहथि तब उन्हकन्हि अपना मनमे लिखले
१६ तौरेतकेर काम प्रत्यक्ष कैलापरें आउर उन्हकन्हिकेर वि
चार शक्ति गोआहिआ कैलासे आउर उन्हकन्हिकेर ज्ञान
परस्पर कलंक किंवा सबब बात कैलासे तौरेत पौला बिना
१७ अपन् तौरेत अपनहि होहथि। देखह् तोह् यिहूदी
नामुद हथि आउर तौरेतपरे बिश्वास करहथि आउर
१८ ईश्वरका विषयमे अहंकारकेर बात कहहथि। आउर
शास्त्र जाननिहार होकरिके ओकर इच्छा जाननिहार
१९ हथि आउर ढेर उत्तम कामकेर बिचार करहथि। आउर
अंधरा अद्मीके राहि बतौनिहार आउर अंधारमे रह
निहारन्हिके इंजोर आउर बेवकूफन्हिकेर पढौनिहार
२० आउर बूतरन्हिके सिखौनिहार हथि। आउर ज्ञान
आउर तौरेतकेर सचौटाई तरह् डोलका तोहर हथि

२१ यिह् सभन्हिमे निश्चय केले छथि। एकरैलेल हे दोस
राकेर सिखौनिहार तोह् का अपनाके सिखलाव नहि
तोह् ये उपदेश करइह् का अदमीका चोरिकरनै उचित
२२ नहि का चोरि करइह्। छिनरपन् मना करनिहार
तोह् का छिनरपन् करइह् हे देवताकेर घिनौनिहार तोह्
२३ का ईश्वरके देल चीज सहजतरह् व्यहार करइथि। हे
शास्त्र जन्लामे अहंकारी तोह् का शास्त्र लंघलासे ईश्वरकेर
२४ अपमान करइह्। काहेका जैसन् लिखल छय तैसन् आउर
देशिन्हका बीचमे ईश्वरकेर नाव तोहरन्हिका करैते निंदा
२५ कैलखन्ह। काहेका तोह जेयो तौरेत पालइह् तेयो तोह
रा सूनतसे लाभ छय सही परन्तु तौरेत लांघनिहार भेला
२६ से तोहर सूनत बेसूनत होइय। एकरासे बेसूनतवाला
जेयो तौरेतकेर धर्म्म पालथि तेयो ओकर गरसूनतका
२७ सूनततरह् मानल जायेत नहि। तोह् अक्षर आउर सून
तके अभिमान् करिके तौरेतके लांघइह् एकरैलेल सुभावसे
जन्मल ये गरसूनत उअह् जब शास्त्रकेर धर्म्म पालण कर्
थि तेयो बिचारसे उअह् का तोहर् कलंक निश्चय नहि कर
२८ ता। काहेका प्रत्यक्ष ये यिऊदी उअह् यिऊदी नहि आउर
२९ मासकेर ये सूनत से सूनत नहि। किन्तु भीतरमे ये यिऊदी
ओहे यिऊदी आउर सूनत मनकेर अक्षरकेर नहि किन्तु
आत्माकेर का येकर खेशनामी अदमीसे नहि होथे किन्तु
ईश्वरसे होइय।

३ तेसरा पर्ब्ब।—तेयो यिऊदीका का लाभ आउर सू
२ नतकेर का लाभ। सभे तरहसे ढेर पहिलहि यिह् ईश्व
रकेर सुफल बात उन्हकन्हिका आगा देल गेलैखन्। का
३ हेका उन्हकन्हिका बीचमे जेयो केउर प्रतित नहि कैलखन्
तेयो ईश्वरमे ये बिश्वास उन्हकन्हिकेर अबिश्वास का उअह्

४ बिश्वासकें व्यर्थ करिसकइथि। उअह् जनु होके ईश्वर साच
कहनिहार तरहसे आउर प्रति अदमी झुठ कहनिहार
तरहसे मानल जैता जैसन् यिह् लिखल छय का तोह् अपना
बातमे साधु केल जाह् आउर बिचार कैलहाकरिके जित
५ थि। किन्तु हमरन्हिकेर बेसाधपना जेयो ईश्वरकेर साधप
नाकेर बडाई करथि तेयो हमरन्हि का कहब फलदेनिहार
ईश्वर का बेसाध छथि से नहि होअथि हम अदमीकेर जैसन्
६ कहछी उअह् भेलासे ईश्वर संसारकेर बिचार कौन् तरह्
७ करता। काहेका ईश्वरका बडाईकेर लेल हमर ये झुठबात
उअह् बातसे ईश्वरकेर सचौटाई जेयो अधिक पसरल रहे
तेयो हम गुनाहगारकेर जैसन् काहेलेल बिचार कैलहोई।
आउर केतनार अदमी का जिन्हकन्हिका नर्ककेर कष्ट पावनै
८ उचित छय उन्हकन्हि हमरन्हिका कलंककेर लेल निश्चयकरि
के जैसन् कहइथि का हमरन्हि कहूलो या सूधरकेर लेल हम
रन्हि बुरा काम करी उअह् बातका बरोबर बलिक हमर
९ न्हि बिचार केले काहे नहि होइथि। तेयो काहे हमरन्हि
उन्हकन्हिसे भला उअह् कोनो तरह् नहि छथि काहेका
हमरन्हि साबूत पहिले देलहो या यिऊदी आउर अन्यदे
१० शिन्ह अदमिन्ह सभे पापका अधिन भेलाह। जैसन् यिह्
११ लिखल छय साध केउ नहि एक अदमीओ नहि। अकिलगर
१२ केउ नहि ईश्वरकेर खोजनिहार केउ नहि। उन्हकन्हि
सभे राहि छोडलखन्ह उन्हकन्हि सभे कर्म्मरहित भेलइथि
१३ नेक कामकरनिहार केउ नहि एक अदमीओ नहि। उन्ह
कन्हिकेर नरेटी खूलल गोरि छय उन्हकन्हि जीह्से भूलैलख
न्ह उन्हकन्हिका ओठपरे कालसांपकेर जहर छय।
१४ उन्हकन्हिकेर मूंह सराप देलासे आउर कडआईमे भर
१५ ल छथि। उन्हकन्हिकेर गोड खूनकैलामे शिघ्रगामी छय।

१६ उन्हकन्हिका चललामे विनाश आउर अमंगल रहइय।
१७ आउर कुशलकेर राहि उन्हकन्हि जानथि नहि। ईश्वरका
१८ विषयमे उन्हकन्हिका आंखिका कछुयो डर नहि छय। हम
रन्हि जानही का तौरेत ये कहइछथि उअह् तौरेतकेर अ
१९ धिन अद्मिन्हके कहइछथि का प्रति मुंह बंद होय आउर
२० सगरो संसार ईश्वरका नजीक दोषो होअथि। एकरैलेल
तौरेतका कामसे ओकरा आंखिका आगा कोनो प्राणी साध
२१ केल जैता नहि काहेका तौरेतसे पाप जानल जाइय। किन्तु
अब ईश्वरकेर ये साधपना तौरे छोडि छय उअह् धर्म्मतौ
रेतसे आउर नबिन्हका बातन्हिसे साबूत देल जायेत प्रत्यक्ष
२२ छय। अर्थात् ईश्वरकेर ये धर्म्म यिशु खीष्टपरे बिश्वाससे
सभे बिश्वासकरनिहारन्हिका आगा आउर सगरो बिश्वास
करनिहारन्हिपरे छय काहेका कछुयो जुदाई रहे नहि।
२३ काहेका सभन्हि पाप केलखनह् आउर ईश्वरकेर महिमा
२४ प्रकाशसे कसूरकेखनह्। ओकरा अनुग्रहसे खीष्ट यिशु
२५ मे ये मुक्ति ओकरासे हमरन्हि मुक्ति साधकेलही। का
ईश्वरका क्षमासे पहिलेकेर केल पाप छोडैलाका राहिसे
ओकर साधपना जनावैकेर लेल येकराके ईश्वर ओकरा
लोहूसे संतुष्ट करनिहार बलिदान मोकरर् केलखन्
२६ ह। अर्थात ओकर साधपना यिह् समयमे जनावैकेर लेल
का उअह् साधु होअथि आउर ये अद्मी यिशुपरे बिश्वास
२७ करइथि ओकराके साध करनिहारभो होअथि। तैयो
अहंकार करनै कहां उअह् छेकल छथि कोनो फतुआसे
२८ कामकेर से नहि परन्तु बिश्वासकेर फतुआसे। एकरैलेल
हमरन्हि निश्चय जानही का अद्मी तौरेतके काम छोडि
२९ बिश्वासका धसोलासे साधु केल जाइथि उअह् का खाली
यिहूदिन्हकेर ईश्वर छथि उअह् का आउर देशिन्हकेर
ईश्वर नहि छथि उअह् अवश्य आउर देशिन्हकेर ईश्वरभो

३० छथि। ये सूनतन्हिके बिश्वाससे आउर बेसूनतन्हिके विश्वास
३१ से साध करतैखन् उअह् एक ईश्वर छथि। तैयो हमरन्हि
बिश्वाससे का तौरेत व्यर्थ करही उअह् जनु होवो बल्कि
हमरन्हि तौरेत कायम करही।

४ चौठा पर्व्व।—तैयो हमरन्हि का कहब का देहका
विषयमे हमरन्हिकेर पित्र अब्राहाम पोलखनह् काहेका
२ अब्राहाम जैयो कामसे साधु केलहोअैतथि तैयो ओकरा
अंहाकारकेर बात कहैकेर कारण होइत किन्तु ईश्वरका
३ आगा नहि। काहेका धर्म्मपुस्तकमे का कहइछथि अब्रा
हाम ईश्वरपरे बिश्वास केलखन् आउर उअह् बिश्वास
४ धर्म्मतरह ओकरा आगा गणल गेलहल। ये तौरेवकेर
काम करइछथि ओकरा आगा फल अनुग्रहसे देल फलकेर
बीचमे गणल जाय नहि किन्तु उधारसे।
५ परन्तु ये अद्मी कर्म्म नहि करइछथि किन्तु ये असेवकन्हि
के साधु करइछथि ओकरा परे बिश्वास करइछथि ओकर
६ बिश्वास साधपनाका तरह गणलजाथि। दाउद जैसन्
यिह् बात कहिकरिके से अद्मीका उपरे ईश्वर कर्म्मविना
७ धर्म्मकेर हिसाब करइछथि उअह् अद्मीका आशीर्वादकेर
प्रशंसा करइछथि जिन्हकन्हिका साधपनाकेर क्षेमा भेलोखन्
आउर जिन्हकन्हिकेर पाप झांपलहय उन्हकन्हि धन्य छथि।
८ येकर पाप ईश्वर हिसाब नहि करता उअह् धन्यछथि।
९ तैयो यिह् आशीर्वाद का खाली सूनतपरे होइय किम्वा
बेसूनतपरेभी होइय काहेका हमरन्हि कहही का बिश्वास
१० अब्राहामका उपरे धर्म्मतरह् हिसाब कैलगेल। तैयो
उअह् कैसन् हिसावकैल गेल ओकर सूनतहोअैका बेरि
किम्वा बेसूनतकेर रहैकेर बेरिमे सूनतहोअैका बेरिमे नहि
११ परन्तु बेसूनतका बेरिमे। आउर उअह् बेसूनतकेर

होकरिके ओकर ये बिश्वास हलैखन् उअह् बिश्वास तरह्
साधपनका मोहरतरहूसे सुनतकेर चिन्ह पैालखन्ह का
येतना अद्‌मो बिश्वास करहथि ओऊ जैयेा बेसुनतकेर
होअथि तैयेा उअह् उन्हकन्हिकेर पित होअथि का धर्म्म
१२ उन्हकन्हिपरेभी हिसाब कैल जाय। आउर ये खाली सुन
तभो नहि हय किन्तु बेसुनत रहैका बेरिमे हमरन्हिकेर
पित अब्राहामकेर ये बिश्वास हलैखन् उअह् बिश्वासकेर
गोडचिन्ह पकरके चाथि उन्हकन्हिकेर लेलभो का सुनतन्हि
१३ केर पित होअथि। काहेका उअह् करार का अब्राहाम
संसारकेर अधिकारी होता उअह् ओकराके आउर ओक
रा बंशन्हिके तौरेतका कामका राहिसे देल गेला नहि किन्तु
१४ बिश्वासतरह् साधपनका राहिसे। काहेका तौरेतकेर काम
करनिहारन्हि जैयेा अधिकारि होअथि तैयेा बिश्वास यर्थं
१५ हय आउर करार यर्थं कैल जाहय। तौरेत गजब जन्माव
हथि काहेका ये जगह् तौरेत नहि उअह् जगह्मे तौरेत
१६ लंघनाभो नहि हय। एकरासे उअह् बिश्वाससे होहथि
का फल अनुग्रहसे होवे का उअह् करार सगरो बंशका
उपरे कायम होवे ये बंश तौरेतका अनुसार हय खाली
उन्हकन्हिपरे नहि किन्तु अब्राहामका बिश्वासका तरह
ये बंश भेल हय ओकरा उपरऊ कायम होये का ये ईश्वर
१७ का आगा हमरन्हिकेर पित हथि। का ये मरल अद्‌मि
न्हके जीवाय हथि आउर येर चीज नहि हय उन्हकन्हि
होनिहार चिजन्हकेर येसन् कहहथि ओकरा आगा जै
सन् यिह् बात लिखल गेलहय का तोहराके ढेर देशिन्हकेर
१८ बंश हम कैलूंह्। जैसन् यिह् कहलखन्ह का तोहर बंश
वैसन होतेा ये भरोसाकेर मुहयियन्मे भरोसा करिके
बिश्वास कैलखन् का उअह् उअह् ढेर देशकेर अद्‌मि
१९ न्हका पित होअथि। ये बिश्वासका बिषयमे दूबर नहि

होकरिके एक सेा बरिसका उमरकेर लगभग भेलापरे अपने
मरलाकेर येसन् देह् आउर सारकेर नारिकेर सुखल
२० जननेभी बिचार नहि कैलखन्। उअह् यरबिश्वाससे
ईश्वरका करारसे डगमग नहि भेला किन्तु ईश्वरकेर महि
मा करैते आउर उअह् ये करार कैलखन् हल उअह् का
२१ सिद्धकरि सकथि एकरामे सन्देह करनिहार नहि होकरि
२२ पे बिश्वासमे बलगर हला। ओहि लेल धर्म्म तरह् उअह्
२३ बिश्वास ओकरा परे हिसाब कैलगेल। उअह् का ओक
रापरे हिसाब कैल गेल यिह् खाली ओकरा लेल नहि लि
२४ खल हल। परन्तु हमरन्हियोकेरभी लेल का जिन्हकन्हिका
उपरे उअह् हिसाब कैल जायेत् जैयेा हमरन्हि ओकराप
रे बिश्वास करी ये हमरन्हिकेर प्रभु यिशुके मरलासे उठा
२५ लखन्ह। ये हमरन्हिका पापकेर लेल दुःख पावैकेर लेल
सेांपल गेला हल आउर हमरन्हिके साधु करैकेर लेल दु
सरा बेरि उठालखन् हल।

५ पचवां पर्ब्ब।—एकरैलेल हमरन्हि बिश्वाससे साध
कैलापरे हमरन्हिकेर प्रभु यिशु ख्रीष्टका मार्फत ईश्वर
२ का साथे मेलि पाअहथि। येकरा वसीलासे हमरन्हि
ये अनुग्रहपरे कायम हो उअह् अनुग्रहमे बिश्वास करै
केर वसीलासे हेल पावही आउर ईश्वरकेर सुख पावैकेर
३ भरोसापरे खोशी करही। आउर खाली यिह् नहि पर
४ न्तु दुःख का बरदाश्तके पैदा करहथि आउर बरदाश्तका
परिछाके पैदा करहथि आउर परिछा भरोसाके पैदा
५ करहथि आउर भरोसा का लाज जन्मैाथि नहि। काहेका
हमरन्हिके देल धर्म्मात्मासे ईश्वरकेर प्रेम हमरन्हिका
मनमे छितराएल बिह् सभे शानिकरिके हमरन्हि दुर्दशा
६ मे साहसिक होही। काहेका हमरन्हिका निर्ब्बल होयेका

वेरिमे उचित समयमे ईश्वरकेर टहल नहि करनिहारन्हि
७ केर लेल खीष्टमरला। साधु अद्मीकेर लेल प्राय कारिकेभी
केउ नहि मरता तैयो मंगल करनिहार अद्मीकेर लेल केउ
८ मरैके कदाचित साहस करसकछथि । किन्तु ये समयमे ह
मरन्हि पापी हलूं उअह् वेरिमे खीष्ट हमरन्हिकेर लेल म
रला एकरासे ईश्वर हमरन्हिका दिग्नि अपना प्रेमकेर बडा
९ ई कैलखन्। एकरैलेल अब हमरन्हि ओकरा लोऊसे साध
कैल होकरिके ओकरा मार्फत गजबसे बलिक उद्धार पैता।
१० काहेका हमरन्हि दुश्मन होकरिके ईश्वरका बेटाका मृत्युसे
ईश्वरका साथे उअह् वेरिमे मिलल हला ओकरऊसे मि
लल हला ओकरा जीअतसे हमरन्हि बलिक रक्षा पायेब।
११ आउर खाली उअह्भी नहि किन्तु हमरन्हिकेर प्रभु यिशु
खीष्टका वसीलासेभी हमरन्हि ईश्वरमे साहसिक होही
या येकरासे हमरन्हि अब प्रायश्चित्तकेर फल पावलही ।
१२ एकरासे जैसन् एक अद्मीका मार्फत संसारमे पाप हेलल
आउर पापसे मृत्यु हेलल आउर ओकरासे सभे पापकर
१३ निहार भेलापरे मृत्यु सभन्हिपरे आयेल। काहेका तौरेत
प्रत्यक्ष लगि पाप संसारमे हल परन्तु जहां तौरेत नहि
१४ ऊंआ पाप हिसाब कैल जाय नहि । किन्तु जिन्हकन्हि आदम्
के पाप तरह्से पाप नहि कैलखन्हल का ये ओकर उपमा
का येकर आवने होनिहार हय उन्हकन्हियोपरभी आ
१५ दमसे मोश्हलगि मृत्यु राज कैलखन् । किन्तु येतरह्
दोष तेहीतरह् मुक्ति दान् नहि काहेका जैयो एक अद्मी
का दोषसे ढेर मरला हल तैयो ईश्वरका अनुग्रह्से आ
उर अनुग्रह्से ये दान् एक अदमीका मार्फत अर्थात् हम
रन्हिकेर प्रभु यिशु खीष्टका मार्फत छथि बलिक ओकरा
१६ से अधिक ढेरन्हिपरे अधिक छथि । आउर एक अद्
मीकेर पापसे जैसन् हला दान वैसन् नहि काहेका एक

गुनाह्से दंड देवालगि ऊकुम हल किन्तु मुक्ति दान् ढेर
१७ दोषका बिनाशकेर लेल साध करैलगि छथि । काहेका
जैयो एक अद्मीका दोषका वसीलासे मृत्यु एकसे राज
कैलखन् तैयो ये अनुग्रहकेर अधिकता आउर साधपना
दान पावछथि उन्हकन्हि कैतना अधिक एकका वकीलासे
अर्थात् यिशु खीष्टका वसीलासे जीअतमे राज करता ।
१८ एकरैलल जैसन् एक अद्मीका दोषसे सगरो अद्मिन्हके
दंड देवालगि तजबीज भेल ओहेतरह् एक अद्मीके धर्म्म
१९ से साध करैलगि मुक्ति दान् सभेका उपरे आयल ।काहे
का एक अद्मीका ईश्वरकेर ऊकुम नहि माननासे जैसन्
ढेरन्हि पापी कैल गेलाहल तैसहि एक अद्मीका ईश्वर
२० केर ऊकुम माननासे ढेर साध कैल जैता। दोष अधिक हो
हय एकरैलेल तौरेत पऊंचला किन्तु ये जगह्मे पापकेर
अधिकता हल उअह् जगह्मे अनुग्रहकेर अधिकता अधिक
२१ हल । का जैसन् पाप मृत्युलगि राज कैलखन्हल तैस
हि साधपनासे अपार जीवनलगि हमरन्हिकेर प्रभु यिशु
खीष्टका वसीलासे अनुग्रह् राज करथि ।

६ छठवां पर्व्व ।—तैयो हमरन्हि का कहब अनुग्रहकेर
अधिकता होअैकेर लेल का हमरन्हि पाप करब से नहि
२ होये। हमरन्हि का ये पापके दिग्नि मरलही कैसे ओकरा
३ मे आउर ववहार करब । तोहरन्हि का जान नहि का हम
रन्हिका बीचमे जेतना अद्मी यिशु खीष्टमे गोता मारले
४ हला तेतना ओकरा मरलामे गोता मारल हला। एक
रासे हमरन्हि मृत्युमे गोता मारले भेलासे ओकरा साथै
गोरिमे गाडल जाछथि का जैसन् महतारका तेजसे खीष्ट
मृत्युसे उठावलछला तैसहि हमरन्हियो नवा ववहारमे
५ चलनूं । जैयो ओकरा मरलाकेर जैसन् हमरन्हि एकठा